

ARJUN BATCH

10th SST ECONOMICS

**वैश्वीकरण
और भारतीय
अर्थव्यवस्था**

CHAPTER-04 | PART- 02

LIVE | 09 SEP | 6 PM

TRADE
INVESTMENT
DEVELOPMENT
INDIA
GROWTH

A
STRONGER
INDIA
IN A
CONNECTED
WORLD

आज क्या पढ़ेंगे ?

1. वैश्वीकरण

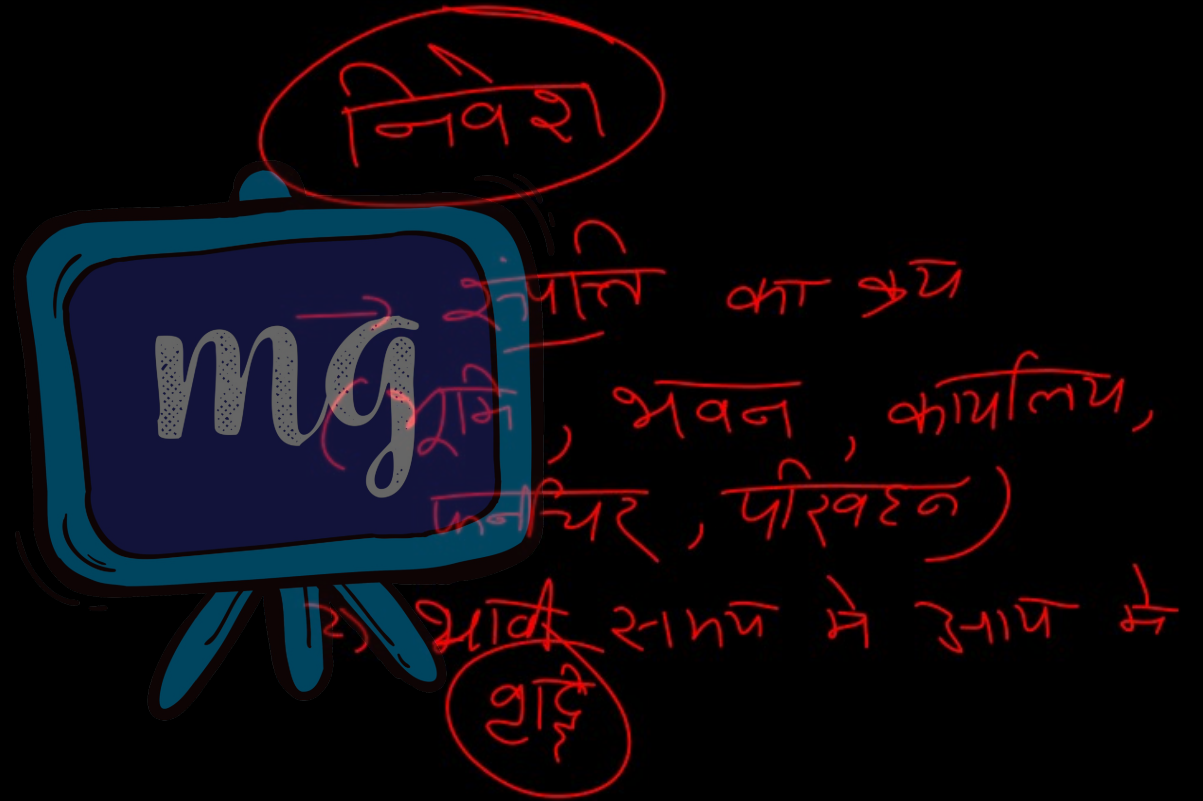
2. वैश्वीकरण को संभव बनाने वाले कारक

(Q1) MNC



→ सभी देशों में
उत्पादन प्रक्रिया पर
नियंत्रण

→ अपने व्यापार को
सभी देशों तक विस्तृत





वैश्वीकरण

निर्माणों-को
समाप्त

व्यापार

— विभिन्न देशों में व्यापार
→ वस्तुएँ , सेवाएँ

1991

50-60%

वैश्वीकरण

देशों के बीच तीव्र एकीकरण या परस्पर जुड़ाव की

प्रक्रिया

mg

❏ वैश्वीकरण को कौन आगे बढ़ाता है?

✧ बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ वैश्वीकरण की मुख्य प्रेरक हैं।

❏ कैसे?

✧ बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ विश्व स्तर पर सस्ते उत्पादन स्थान खोजती हैं।

✧ इसलिए वे विदेशी निवेश बढ़ाती हैं विकासशील देशों में।

परिणाम

विदेशी निवेश

❖ विदेशी व्यापार में वृद्धि, जिसका नियंत्रण अक्सर बहुराष्ट्रीय कंपनियों के पास होता है।

उदाहरण

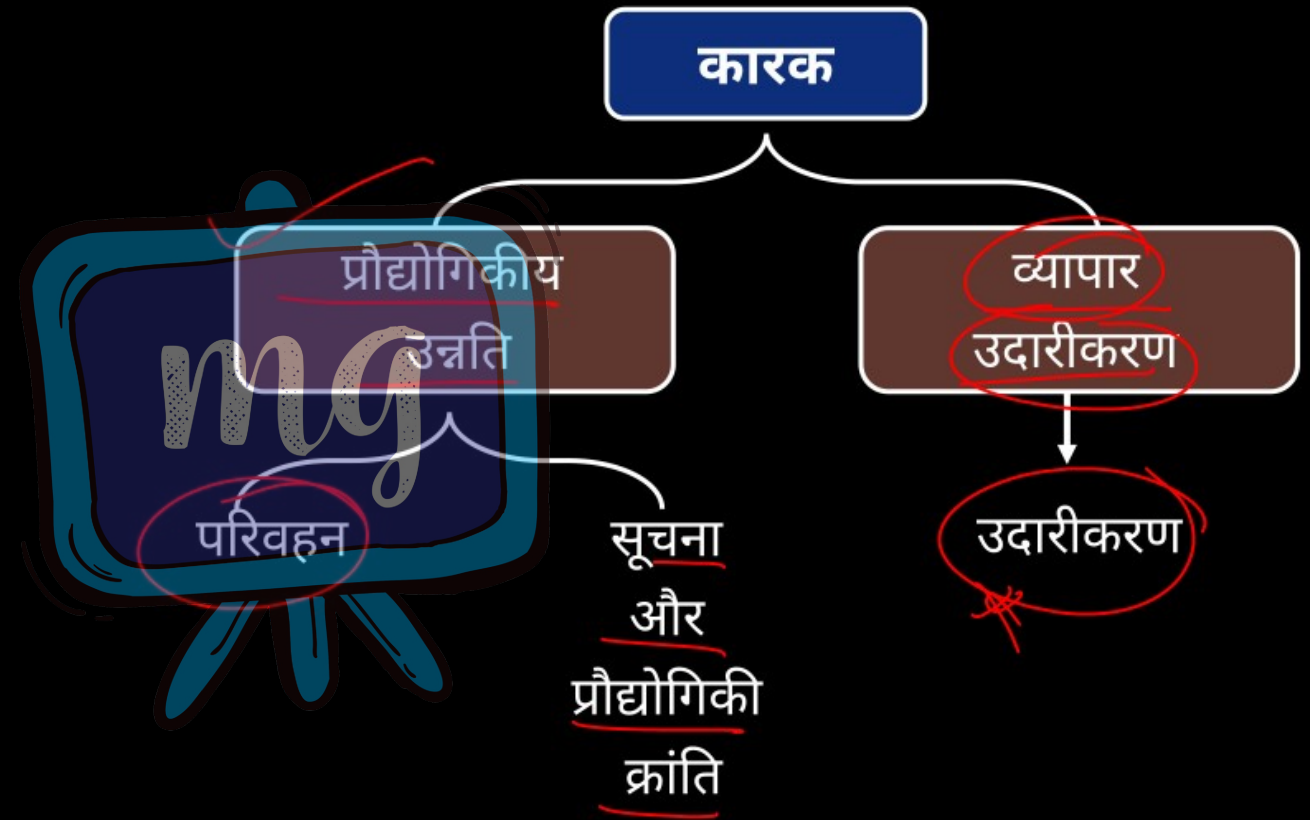
उत्पादन

फोर्ड द्वारा कारों और पुर्जों का निर्यात

वस्तुओं, सेवाओं,
निवेश एवं
प्रौद्योगिकी का
आवागमन

लोगों का कर्मचारी
आवागमन आदि





परिवहन

पिछले 50 वर्ष

महत्वपूर्ण सुधार में

परिवहन प्रौद्योगिकी।

प्रभाव

लंबी दूरी तक वस्तुओं की तेज और सस्ती आपूर्ति।

उदाहरण

कंटेनर

- जहाजों, रेलों, विमानों और ट्रकों में कुशल लदाई।
- आपूर्ति की गति में वृद्धि।



✧ वायु परिवहन

- लागत घटने से वायु मार्ग से अधिक मात्रा में वस्तुओं का परिवहन संभव होता है।





सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी)

- प्रौद्योगिकीय उन्नति, विशेषकर आईसीटी, ने वैश्वीकरण को बहुत तेज किया है।
- बेहतर संचार और सूचना-साझाकरण वैश्विक व्यापार और संपर्क को सुगम बनाते हैं।

व्यापार उदारीकरण

व्यापार अवरोध

विदेशी व्यापार को नियंत्रित करने हेतु आयात पर प्रतिबंध।

उदाहरण

आयातित खिलौनों पर भारत सरकार का कर।

प्रभाव

- आयातित खिलौनों की कीमत में वृद्धि।
- चीन से आयात में कमी।
- भारतीय खिलौना निर्माताओं को लाभ।

tax

$$\begin{array}{r}
 1000 \\
 + \\
 2000 \text{ (कर)} \\
 \hline
 11200 \\
 + \\
 2000 \\
 \hline
 \Rightarrow 14000
 \end{array}$$

उपरोक्त का लाभ

रकबा

रकबा

A

B

600

tax

भारत में व्यापार अवरोधों की ऐतिहासिक

पृष्ठभूमि

- स्वतंत्रता के बाद की नीति
- घरेलू उत्पादकों की रक्षा के लिए अवरोध
- तर्क/आधार

✧ 1950 और 1960 के दशकों में नवोदित उद्योगों को विकसित करना।

✧ उन्हें विदेशी प्रतिस्पर्धा से बचाना।

भारत में व्यापार नीति का उदारीकरण

(1991 के बाद)

वैश्विक उत्पादकों को भारत में बेचने की अनुमति।

कारण

✧ प्रतिस्पर्धा के माध्यम से घरेलू उत्पादों की गुणवत्ता सुधारने के लिए।

✧ समर्थन

अंतरराष्ट्रीय

संगठनों से।

MNC

भारत सरकार

छोटे व्यापारी

विदेशी
व्यापार को
प्रोत्साहन देने
के लिए
WTO



उदारीकरण

(1991)

सरकार द्वारा लगाए गए अवरोधों या प्रतिबंधों को

हटाना।

विदेशी कंपनियाँ
भारत में कार्य स्थापित कर सकती
हैं।

व्यवसायों को आयात/निर्यात संबंधी निर्णयों में
अधिक स्वतंत्रता मिलती है।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI)

किसी कंपनी द्वारा दूसरे देश में स्थित व्यवसाय में किया गया महत्वपूर्ण निवेश।

(एफ.डी.आई)

(A)

(B) व्यवसाय उद्योग



❏ कंपनियाँ FDI का उपयोग करती हैं :-

✧ संसाधन सुरक्षित करने के लिए।

✧ अपने बाजार का विस्तार करने के लिए।

✧ वैश्विक उपस्थिति स्थापित करने के लिए।

उदाहरण

विदेश में निवेश करती भारतीय कंपनियाँ।

FDI